Statement

	1981-82	1982-83	1983-84	1984-85
Thermal sets				
Capacity: 60 MW, 110 MW, 120 MW	6	6	6	6
210 MW	10	9 or 10	9 or 11	9 or 11
500 MW	..	2 1	4 3	4 3
Order book position:				
60 MW				
firm orders	2	..	..	..
anticipated orders	..	2	2	..
110 MW				
firm orders	3	3	2	..
anticipated orders	..	..	..	..
120 MW				
firm orders	..	..	..	..
anticipated orders	..	..	1	..
210 MW				
firm orders	10	7	1	..
anticipated orders	..	3	8	..
500 MW				
firm orders	1	..	..	..
anticipated orders	..	..	1	3

Demand of Opthalmic Rough Blanks

1261. SHRI RAGHUNATH SINGH VERMA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that opthalmic Rough Blanks are in great demand and their requirement is being met by imports only since it is not being manufactured indigenously;

(b) whether Government have received any proposal for the manufacture of Opthalmic Rough Blanks indigenously;

(c) if so, details thereof;

(d) whether Government have agreed to the proposal for the manufacture of opthalmic blanks in the country; and

(e) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA): (a) Although Opthalmic Glass Rough Blanks are being manufactured indigenously, the production is not sufficient to meet the entire demand. The

demand supply gap is being met through imports.

(b) to (e). Yes Sir. Messrs Seraikella Glass Works Pvt. Ltd. had made an application for grant of an industrial licence for the manufacture of 2,000 tonnes of this item indigenously, that is, without foreign technical collaboration. The applicant has been informed that as the proposed investment in the project is less than Rs. 300 lakhs, it is eligible for registration with the Directorate General of Technical Development, for which he may take necessary action.

बिहार के व्यय में वृद्धि

1262. **श्री राम विलास पासवान** : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या छठी पंचवर्षीय योजना में बिहार के लिए सम्मिलित 5000 करोड़ रुपए के व्यय को घटा कर 3200 करोड़ रुपए कर दिया गया है जो बिहार के विकास के लिए पर्याप्त नहीं है ; और

(ख) क्या सरकार का विचार इस व्यय में वृद्धि करने का है ; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

योजना और श्रम मंत्री (श्री नारायण दत्त तिवारी) : (क) बिहार की छठी योजना का आकार, राज्य की योजना के प्रारूप में सुझाए गए 4022.46 करोड़ रु० के मुकाबले, राज्य सरकार के परामर्श से 3225 करोड़ रु० नियत किया गया है ।

(ख) संसाधनों की समग्र बाध्यकारिता को ध्यान में रखते हुए 1980—85 के लिए बिहार की योजना के आकार को बढ़ाने का इस समय कोई प्रस्ताव नहीं है ।

सरकारी कर्मचारियों के विकलांग बच्चों को छात्रवृत्ति

1263. **श्री आर० एम० राकेश** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि डाक तथा तार विभाग ने ऐसे कर्मचारियों के बच्चों को छात्रवृत्तियां देने का निर्णय किया है जो विकलांग हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या केन्द्रीय सरकार सभी मंत्रालयों को ऐसे अनुदेश जारी करेगी ताकि ऐसे कर्मचारियों के बच्चों को कुछ राहत मिले और उनकी शिक्षा आदि में सुधार हो सके ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार ऐसे विकलांग बच्चों के मामलों पर भी विचार करने का है जो बोल नहीं सकते अथवा जिनका जन्म के बाद बोलने का सामर्थ्य नहीं रहा ; और

(घ) यदि हां, तो इस बारे में सरकार की नीति का ब्यौरा क्या है ?

गृह मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में राज्य मंत्री (श्री पी० वेंकट सुबय्या) : (क) जी हां, श्रीमान् । डाक तथा तार कल्याण निधि से वित्तीय सहायता दी जाती है ।

(ख) से (घ). समाज कल्याण मंत्रालय शैक्षिक/व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए "नेत्रहीनों, बहरों तथा शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए छात्रवृत्तियां/बजीफे" की एक योजना चला रहा है । सरकारी कर्मचारियों के विकलांग बच्चे भी इन सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं ?